भारत का रक्षा निर्यात

प्रिलिम्स के लिये:

रक्षा प्रौद्योगिकी।

मेन्स के लिये:

प्रौद्योगिकी, रक्षा निर्यात, प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2021-22 के लिये भारत का रक्षा निर्यात 13,000 करोड़ रुपए अनुमानित था जो अब तक का सबसे अधिक है।

- अमेरिका एक प्रमुख खरीदार था साथ ही दक्षिण पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के राष्ट्र भी शामिल थे।

प्रमुख बिंदु

- निजी क्षेत्र का निर्यात में 70% हिस्सा था, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की फर्म बाकी के लिये ज़िम्मेदार थी।
    - पहले निजी क्षेत्र का 90% हिस्सा हुआ करता था लेकिन अब रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों का हिस्सा बढ़ गया।
- जबकि हाल के वर्षों में अमेरिका से भारत का रक्षा आयात काफी बढ़ गया है, **भारतीय कंपनी तेज़ी से अमेरिकी रक्षा कंपनियों की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन रही हैं।**

रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने हेतु हाल के पहल:

- जनवरी 2022 में भारत ने **ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइल** के तट-आधारित एंटी-शिप संस्करण की तीन बैटरियों की आपूर्ति के लिये **फिलीपींस के साथ 374.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर के समझौते** पर हस्ताक्षर किये, जो उसका सबसे बड़ा रक्षा निर्यात आदेश है।
- भारत ने पिछले दो वर्षों के दौरान **310 विभिन्न हथियारों और प्रणालियों पर चरणबद्ध आयात प्रतिबंध** लगाया है, जिससे निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिली है।
    - इन हथियारों और प्लेटफॉर्मों का अगले पाँच से छह वर्षों में कई चरणों में स्वदेशीकरण किया जाएगा।
- निजी क्षेत्र के साथ बढ़ी हुई भागीदारी से रक्षा निर्यात में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

भारत का रक्षा निर्यात:

- रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिये रक्षा **निर्यात सरकार के अभियान का प्रमुख स्तंभ** है।
- 30 से अधिक भारतीय रक्षा कंपनियों ने **इटली, मालदीव, श्रीलंका, रूस, फ्राँस, नेपाल, मॉरीशस, श्रीलंका, इज़रायल, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, भूटान, इथियोपिया, सऊदी अरब, फिलीपींस, पोलैंड, स्पेन** जैसे देशों को हथियारों और उपकरणों का निर्यात किया है।
- निर्यात में **व्यक्तिगत सुरक्षा सामग्री, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली, इंजीनियरिंग यांत्रिक उपकरण, अपतटीय गश्ती ज़हाज़, उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, एवियोनिक्स सूट, रेडियो सिस्टम** तथा रडार सिस्टम शामिल हैं।
- हालाँकि भारत का रक्षा निर्यात अभी भी अपेक्षित सीमा तक नहीं पहुँच पाया है।
    - **स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI)** ने 2015-2019 के लिये प्रमुख हथियार निर्यातकों की सूची में भारत को 23वें स्थान पर रखा।
    - भारत अभी भी वैश्विक **हथियारों का केवल 0.17% हिस्सा ही निर्यात करता है।**
- भारत के रक्षा निर्यात में निराशाजनक प्रदर्शन का कारण यह है कि भारत के रक्षा मंत्रालय के पास अब तक निर्यात के लिये कोई समर्पित एजेंसी नहीं है।
- भारत ने 2024 तक 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

रक्षा क्षेत्र से संबंधित पहल:

- **रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्द्धन नीति 2020 (DPEPP 2020):**
    - **DPEPP 2020** को **आत्मनिर्भरता और निर्यात के लिये देश की रक्षा उत्पादन क्षमताओं पर** एक केंद्रित संरचित एवं महत्त्वपूर्ण रूप से बल प्रदान करने के लिये **व्यापक मार्गदर्शक दस्तावेज़** के रूप में परिकल्पित किया गया है।
- **आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की दिशा में बहुआयामी कदम:**
    - निजी उद्योग को सशक्त बनाने के लिये फोकस के साथ प्रगतिशील परिवर्तन हुए हैं।
    - **डीपीपी 2016 भारतीय आईडीडीएम** (स्वदेशी रूप से डिज़ाइन, विकसित और निर्मित) नामक एक नई श्रेणी के साथ सामने आया है।
    - यदि कोई भारतीय कंपनी भारतीय **आईडीडीएम** का विकल्प चुनती है तो उसे अन्य सभी श्रेणियों पर वरीयता दी जाती है।
- **रणनीतिक साझेदारी:**
    - एक रणनीतिक साझेदारी मॉडल भारतीय कंपनियों को **विदेशी ओईएम** के साथ सहयोग और प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करने तथा भारत के निर्माण और भारत में परियोजनाओं को बनाए रखने की अनुमति प्रदान करता है।
    - कामकाज में पारंपरिक पनडुब्बियों के लिये पहला आरएफपी।
- **सकारात्मक स्वदेशीकरण:**
    - **पहली बार सरकार किसी वस्तु के आयात पर खुद पर प्रतिबंध लगा रही है, सरकार स्वदेशी उद्योग को सशक्त बनाना चाहती है।**
    - 101 वस्तुओं तथा 108 वस्तुओं की **दो सकारात्मक स्वदेशीकरण** सूचियाँ हैं जिसकी रेंज़ प्लेटफार्मों से लेकर हथियार प्रणालियों तक तथा सेंसर से लेकर अधिकतम वस्तुओं तक हैं।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-defence-exports